दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लव ओह लव को मिली यू/ए सर्टिफिकेट ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार , 09 जुलाई 2026
वर्ष: 13 अंक :207 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

दिल्ली में आईएसआई की बड़ी Terror Plot नाकाम, पाकिस्तान से जुड़े 6 आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। त्रों के मुताबिक, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने बुधवार को दिल्ली और पंजाब से छह संदिग्ध ऑपरेटिव्स को गिरफ्तार किया। उनसे पूछताछ में पता चला कि पाकिस्तान में मौजूद ISI के कथित हैंडलर शहजाद भट्टी के कहने पर राजधानी की अहम जगहों पर पेट्रोल बम से हमले करने की साजिश रची जा रही थी। आरोपियों ने कथित तौर पर दिल्ली में सिविल लाइंस स्थित न्यू पुलिस लाइंस, आनंद विहार इंटर–स्टेट बस टर्मिनल , एक रेलवे स्टेशन और भीड़–भाड़ वाले बाजार इलाकों की रेकी की थी। जांच के दौरान उनके मोबाइल फोन से इन जगहों के वीडियो बरामद किए गए। जांच करने वालों ने बताया कि रेकी के वीडियो कथित तौर पर एक बैन मैसेजिंग ऐप के जरिए भट्टी को भेजे गए थे। स्पेशल सेल ने भट्टी और गिरफ्तार आरोपी के बीच हुई सोशल मीडिया चौट भी हासिल कीं। सूत्रों ने बताया कि जांच के दौरान भट्टी और आरोपी दानिश उर्फ चांद मियां के बीच जून के आखिरी हफ्ते की चौट सामने आई। इन बातचीत में, भट्टी ने कथित तौर पर दानिश को बताया कि श्सामानश शाम को पहुंचाया जाएगा और उसे वह सामान लेने के लिए कहा। बाद में उसने पूछा कि क्या सामान मिल गया है। दानिश ने जवाब दिया कि सब कुछ ले लिया गया है। इसके बाद भट्टी ने कथित तौर पर उसे सामान सुरक्षित रखने और आगे के निर्देशों का इंतजार करने के लिए कहा।

जांचकर्ताओं ने बताया कि चौट में जिस

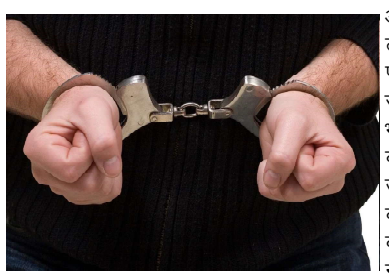

'सामान' का जिक्र था, उसका इस्तेमाल कथित तौर पर दिल्ली में पेट्रोल बम हमलों के लिए किया जाना था। इससे पहले, जांच के दौरान दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने राजघाट के पीछे विजय घाट से पेट्रोल बम बरामद किए थे। सूत्रों ने बताया कि ये छह आरोपी पाकिस्तान में मौजूद उन दस लोगों के संपर्क में थे जो कथित तौर पर शहजाद भट्टी के लिए काम कर रहे थे। अधिकारी इस साजिश में उनकी भूमिका और शामिल होने की जांच कर रहे हैं। खबरों के मुताबिक, दानिश उर्फ चांद मियां को दिल्ली में हमले की योजना बनाने और रेकी (जासूसी) करने का काम सौंपा गया थाय भट्टी ने हमले के सफल होने पर उसे 20,000 रुपये देने का वादा किया था। उसका साथी सलमान कथित तौर पर हमले का वीडियो बनाने और फुटेज सीधे भट्टी को भेजने के लिए जिम्मेदार था। एक और आरोपी, दिल्ली के शाहीन बाग का रहने वाला तैयब, कथित तौर पर हथियारों की खेप लेने और उसे बेचने का काम संभालता था। कहा जाता है कि गाजियाबाद के मोदीनगर के रहने वाले जुबैर खान ने अमृतसर से हथियारों की खेप मंगवाई थी, जबकि मेरठ के अली फजल पर इन हथियारों को बेचने का आरोप है। अमृतसर के रहने वाले मलकीत सिंह ने कथित तौर पर पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए गिराए गए हथियारों को नेटवर्क के दूसरे सदस्यों तक पहुँचाने में मुख्य भूमिका निभाई थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल द्वारा शहजाद भट्टी से जुड़े दो कथित मॉड्यूल का भंडाफोड़ करने के बाद इन छह आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। सीमा पार के बड़े नेटवर्क और पाकिस्तान में बैठे अन्य हैंडलर्स की जांच अभी भी जारी है।

बदरीनाथ मंदिर में चढ़ावा चोरी: धामी सरकार ने बनाई हाई लेवल जांच समिति, आरोपी कर्मचारी निलंबित

बद्रीनाथ मंदिर में दान और चढ़ावे से जुड़ी कथित अनियमितताओं और शिकायतों के बीच, उत्तराखंड सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर मामले की जांच के लिए तीन सदस्यीय उच्च–स्तरीय समिति का गठन किया है। पर्यटन सचिव धीरज सिंह गर्ब्याल के आदेश के अनुसार, इस समिति की अध्यक्षता गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप करेंगे। समिति के अन्य सदस्यों में नेशनल हेल्थ मिशन के मैनेजिंग डायरेक्टर संदीप तिवारी और मेडिकल एंड हेल्थ सर्विसेज के डायरेक्टर जनरल के ऑफिस में डायरेक्टर (फाइनेंस) जगत सिंह चौहान शामिल हैं।

देशभर में मानसून का कहर

गुजरात–महाराष्ट्र में बारिश से त्राहि–त्राहि, दिल्ली से केरल तक कई राज्यों में अलर्ट

नई दिल्ली। देश के कई हिस्सों में बुधवार को भारी मानसूनी बारिश ने जनजीवन अस्त–व्यस्त कर दिया। दिल्ली, गुजरात, महाराष्ट्र, केरल और हिमाचल प्रदेश समेत कई राज्यों में बारिश के कारण बाढ़, जलभराव, भूस्खलन और यातायात बाधित होने की घटनाएं सामने आईं।

गुजरात के सूरत शहर में पिछले 24 घंटों में 358 मिमी बारिश हुई, जिससे कई इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए और जगह–जगह पानी भरने से आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भारी बारिश से प्रभावित राज्यों की स्थिति की जानकारी लेने के लिए महाराष्ट्र, गुजरात, केरल और जम्मू–कश्मीर के मुख्यमंत्रियों से बातचीत की। उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव सहायता उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया।

सूरत के निचले इलाकों से 3,400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया

पीटीआई के अनुसार, सूरत के निचले इलाकों से 3,400 से ज्यादा लोगों को बचाया गया और 3,800 से ज्यादा लोगों को दूसरी जगहों पर भेजा गया। कई जगहों पर घरों, कमर्शियल कॉम्प्लेक्स और दुकानों में भी पानी घुस गया। पानी भरने की वजह से सिटी बस सेवा समेत पब्लिक ट्रांसपोर्ट भी प्रभावित हुआ। वराछा इलाके में पोद्दार आर्केड की ग्राउंड–फ्लोर की दुकानें पूरी तरह पानी में डूबी हुई थीं। सूरत के कलेक्टर तेजस परमार ने बताया कि खाड़ी (क्रीक) के पास के इलाकों, जैसे लिंबायत, उधना, वराछा और कड़ोदरा में जलभराव की समस्या बनी हुई है। उन्होंने कहा कि शहर के जलभराव वाले इलाकों में बनी ऊंची इमारतों में भी खाने के पैकेट बांटे गए। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने गांधीनगर में कैबिनेट की बैठक में राज्य भर में बारिश की स्थिति की समीक्षा की और मंत्रियों को निर्देश दिया कि वे बारिश से प्रभावित जिलों का दौरा करें।

पुणे में मूसलाधार बारिश का कहर

कचरे का पहाड़ गिरने से बिल्डिंग ढही, कई लोग फंसे

पुणे के पिंपरी–चिंचवड़ में बुधवार को हुई भारी बारिश के बाद, पुराने कचरे का पहाड़ जैसा ढेर पास की तीन मंजिला इमारत पर गिर गया, जिससे वह ढह गई। इस घटना में कम से कम 16 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका है। एक अधिकारी के अनुसार, यह घटना मोशी में हुई। यहाँ इमारत का इस्तेमाल एक प्राइवेट कंपनी के एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिस के तौर पर किया जा रहा था, जो नगर निकाय की ओर से उस जगह पर कचरे की प्रोसेसिंग का काम कर रही थी। पिंपरी–चिंचवड़ म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के कमिश्नर विजय सूर्यवंशी ने कहा कि पहली नजर में ऐसा लगता है कि भारी

बारिश के कारण कचरे का ढेर ढीला हो गया और इमारत पर गिर गया। उन्होंने बताया कि प्राइवेट कंपनी के करीब 16 कर्मचारियों के इमारत के अंदर होने की आशंका है। उन्होंने कहा कि नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स , फायर ब्रिगेड और एम्बुलेंस की टीमें मौके पर पहुँच गई हैऔर बचाव अभियान चल रहा है। पिंपरी–चिंचवड़ के मेयर रवि लांडगे ने कहा कि शहर में भारी बारिश की वजह से पानी का स्तर काफी बढ़ गया है। इसके कारण जमा हुआ कचरा और मलबा एक ऑफिस बिल्डिंग पर गिर गया, जिससे कंक्रीट का एक स्लैब भी ढह गया। उस समय ऑफिस के सोलह कर्मचारी वहां खाना खा रहे थेय दो लोग बाहर निकलने में कामयाब रहे, और बाकी लोगों को बचाने का काम अभी चल रहा है। नहीं, किसी की मौत नहीं हुई हैय सभी सुरक्षित हैं। फायर ब्रिगेड, NDRF की टीम, पुलिस और स्वास्थ्य व पर्यावरण विभाग उन्हें बाहर निकालने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

पर्यावरण मंत्रालय बना प्रवचन मंत्रालय, शासन व्यवस्था फेल: जयराम रमेश

नई दिल्ली। पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के चार करीबी सहयोगियों को दो दिनों के भीतर हटाए जाने के बाद, बुधवार को कांग्रेस ने केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय पर शासन–व्यवस्था के चरमराने का आरोप लगाया। पूर्व पर्यावरण मंत्री और कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि मंत्रालय देश के पर्यावरण और जंगलों की सुरक्षा करने में नाकाम रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण मंत्रालय अब श्प्रवचन मंत्रालयश बन गया है।

रमेश ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में, मंत्रियों के पर्सनल स्टाफ में सभी अहम नियुक्तियों की जाँच PMO करता है। अब पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री के 4 करीबी सहयोगियों को लगातार दो दिनों

में दो बैच में हटा दिया गया है। इनमें से एक सहयोगी को मंत्री का सबसे करीबी और भरोसेमंद व्यक्ति माना जाता है। उन्होंने आरोप लगाया कि साफ है कि इस अहम मंत्रालय में कामकाज का सिस्टम पूरी तरह से चरमरा गया है। इसने हाल के वर्षों में पर्यावरण और जंगलों की सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन के असर से निपटने के लिए बहुत कम काम किया है। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि देश भर में पर्यावरण को नुकसान पहुँचाने का सिलसिला लगातार जारी है, जिसमें ग्रेट निकोबार, मध्य और पूर्वी भारत के घने जंगल, अरावली रेंज और जैव–विविधता वाले अन्य इलाके शामिल हैं। रमेश ने कहा कि वायु प्रदूषण का लोगों की सेहत पर बुरा असर पड़ रहा है, और जिन मानकों को अपडेट और लागू करने की जरूरत है, उन पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसी कई बातें हैं। लेकिन क्या मोदी सरकार को इसकी कोई परवाह है? पर्यावरण मंत्रालय अब श्प्रवचन मंत्रालयश बन गया है। दक्षिण–एशियाईऔर प्रवासी 3 जुलाई को जारी अलग–अलग सरकारी आदेशों के अनुसार, पर्यावरण मंत्रालय ने यादव के निजी सचिव और दो अतिरिक्त निजी सचिवों को एक साथ हटा दिया।

विवादित किताबों को लेकर एक्शन में एलजी मनोज सिन्हा, 8 अधिकारी सस्पेंड

श्रीनगर। जम्मू–कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए मंजूर की गई दो किताबों को लेकर विवाद चल रहा है। इन किताबों पर उग्रवाद और अलगाववाद को बढ़ावा देने का आरोप है। इस बीच, उप–राज्यपाल मनोज सिन्हा ने पूरे केंद्र शासित प्रदेश में शिक्षण संस्थानों के व्यापक ऑडिट का आदेश दिया है। प्रशासन ने पहले ही इस विवाद की जांच के आदेश दे दिए हैं, विवादित पुस्तकों के लेखकों पर प्रतिबंध लगा दिया है, शिक्षा विभाग के आठ अधिकारियों को निलंबित कर दिया है, जम्मू–कश्मीर से दोनों लेखकों की मुद्रित सामग्री वापस ले ली है और पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। आज उपराज्यपाल सिन्हा ने वरिष्ठ

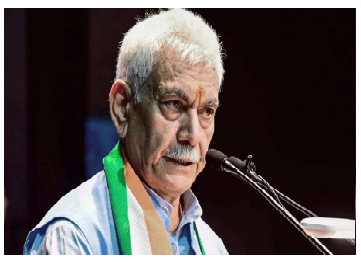

अधिकारियों के साथ एक उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता की और शिक्षण संस्थानों में राष्ट्रविरोधी और अलगाववादी सामग्री वाली पुस्तकों और साहित्य के प्रसार के संबंध में की गई कार्रवाई की समीक्षा की। ये दो विवादित किताबें हैं कृ डॉ. हिलाल अहमद और संतोष मीना की लिखी और जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस से प्रकाशित पर्सनेलिटीज एंड लेजेंड्स ऑफ J&K और डॉ. सुहंत गिरी की लिखी और दिल्ली के अरोड़ा प्रकाशन से प्रकाशित ग्रेट पर्सनैलिटीज ऑफ जम्मू एंड कश्मीर।

खबरों के मुताबिक, इन किताबों में श्रज्ञस्थ के संस्थापक मोहम्मद मकबूल भट (जिन्हें 1984 में दिल्ली की तिहाड़ जेल में फांसी दी गई थी), जेल में बंद अलगाववादी नेता मसरत आलम और मारे गए अलगाववादी नेता अब्दुल गनी लोन के अलावा दिवंगत अलगाववादी नेता सैयद अली गिलानी और मीरवाइज उमर फारूक जैसे नेताओं पर अलग–अलग चौप्टर हैं। इन किताबों में जम्मू–कश्मीर को इंडियन हेल्ड कश्मीर और इंडियन ऑक्यूपाइड कश्मीर भी कहा गया है।

ट्रूडो के जाते ही बदले ओटावा के सुर

कनाडा ने माना– निज्जर की हत्या में भारत सरकार का कोई लिंक नहीं

लगभग तीन साल पहले, कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने आरोप लगाया था कि खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत सरकार के एजेंटों का हाथ हो सकता है। लेकिन अब, कनाडाई पुलिस ने कहा है कि उन्हें इस मामले में भारत सरकार के अधिकारियों के शामिल होने का कोई सबूत नहीं मिला है। यह बात तब सामने आई है जब अमेरिकी अधिकारियों ने निज्जर की हत्या के मामले में भारतीय मूल के गैंगस्टरों (अपराधियों) पर आरोप तय किए हैं, लेकिन उसमें भारत सरकार का नाम नहीं लिया गया है। कनाडाई पुलिस का यह बयान ट्रूडो सरकार के उस नजरिए से एक बड़ा बदलाव है, जिसकी वजह से नई दिल्ली और ओटावा के बीच दशकों का सबसे गंभीर राजनयिक संकट पैदा हो गया था। ट्रूडो के आरोपों को भारत ने ष्बेतुकाष और ष्दुर्भावनापूर्णष बताकर खारिज कर दिया थाय इन आरोपों के कारण राजनयिकों को निकाला गया, दोनों देशों के बीच बातचीत और कामकाज रोक दिए गए और आपसी रिश्तों में खटास आ गई। ल्ब्ड्च् का यह खुलासा तब हुआ, जब अमेरिकी अधिकारियों ने जेल में बंद गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई और उत्तरी अमेरिका में रहने वाले उसके साथी गोल्डी बराड़ के खिलाफ कनाडा में निज्जर की 2023 में हुई हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए दस्तावेज सार्वजनिक किए।

नाचते–नाचते ट्रंप ने क्या किया ऐसा ऐलान, शेयर बाजार हुआ क्रैश, सेंसेक्स 1900 अंक टूटा, निफ्टी 23,900 के नीचे

अमेरिका और ईरान के बीच

फिर से शुरू हुई लड़ाई की वजह से शेयर बाजार के निवेशकों में डर बैठ गया है। इसके चलते भारतीय शेयर बाजार खुलते ही औंधे मुंह गिर गया। बाजार में यह गिरावट तब और बढ़ गई, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐलान किया कि ईरान के साथ युद्ध रोकने का जो समझौता हुआ था, वह अब ष्पूरी तरह खत्मष हो चुका है। ट्रंप के इस बयान से लोगों को डर लग गया कि खाड़ी देशों (डपककसम मेंज) में अब यह लड़ाई और खतरनाक रूप ले सकती है। इस डर के कारण बाजार में भारी बिकवाली हुई, जिससे सेंसेक्स 1900 अंक टूटकर 76,472 पर आ गया और निफ्टी भी 521 अंक गिरकर 23,877 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स की सभी 30 कंपनियाँ गिरावट के साथ कारोबार कर रही थीं। इंटरग्लोब एविएशन, मारुति, हिंदुस्तान यूनिलीवर, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फाइनेंस और महिंद्रा एंड महिंद्रा में सबसे ज्यादा गिरावट देखी गई। इस बीच, ग्लोबल ऑयल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 6. 19 प्रतिशत बढ़कर 78.75 डॉलर प्रति बैरल हो गई।

ट्रंप ने ऐसा क्या कहा

ईरान पर नए हमले करने के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि सीजफायर श्खत्मश हो गया है, लेकिन बातचीत जारी रह सकती है। सीजफायर की स्थिति के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि मेरे हिसाब से तो यह खत्म हो चुका है। उनसे बात करने में समय बर्बाद करना ही है। उन्होंने यह बात तुर्की के अंकारा में दो दिन के छ।ज् समिट के दौरान कही। यह बयान ईरान पर हमले के कुछ घंटों बाद आया, जिसे अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में टैंकरों पर हुए हमलों का बदला बताया था। ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिकी प्रतिनिधि बातचीत जारी रख सकते हैं, लेकिन उन्हें इसके नतीजे पर शक है। उन्होंने कहा वे बातचीत कर सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि वे अपना समय बर्बाद कर रहे हैं।

UNSC की सीट के लिए 57 देशों से भिड़ा भारत

जयशंकर तोड़ेंगे तजाकिस्तान और ओआईसी का चक्रव्यूह!

एक तरफ भारत की बढ़ती वैश्विक ध ामक है तो दूसरी तरफ 57 इस्लामिक देशों का वो ताकतवर ब्लॉक जिसे ओआईसी कहा जाता है। न्यूयॉर्क के संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में एक ऐसी जंग की बिसात बीच चुकी है जो आने वाले दशकों के लिए वैश्विक राजनीति की दिशा तय करेगी। विदेश मंत्री एस जयशंकर 10 जुलाई को न्यूयॉर्क पहुंच रहे हैं। लेकिन उनके बैग में सिर्फ फाइलें नहीं बल्कि भारत की 2028–29 के लिए यूएससी की अस्थाई सदस्यता का वो मास्टर प्लान है जिसे दुनिया के कई देश बचा नहीं पा रहे हैं। दरअसल भारत अपनी दावेदारी उस वक्त पेश कर रहा है जब दुनिया एक ज्वालामुखी के मुहाने पर बैठी है। यूक्रेन युद्ध थमा नहीं था कि मिडिल ईस्ट में आग लग गई। ईरान पर

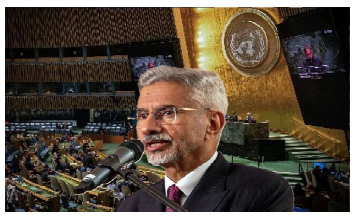

इजराइल और अमेरिका के दबाव ने पूरे ग्लोबल साउथ को हिलाकर रख दिया। आज विकासशील देश खाद्य और ईंधन के संकट से करा रहे हैं। भारत यहां एक मसीहा के रूप में उभर रहा है और डॉक्टर एस जयशंकर का तर्क सीधा है कि अगर संयुक्त राष्ट्र में बड़े पैमाने पर सुधार नहीं हुआ तो यह संस्था अपनी प्रासंगिकता खो देगी। लेकिन सुधारों की इस मांग के बीच असली खेला शुरू हुआ है एशिया पेसिफिक की उस एक सीट के लिए जिस पर भारत और तजाकिस्तान दोनों की नजरें हैं। अब बात करते हैं उस अड़ंगे की जिसने भारत की चिंता बढ़ा दी है। दरअसल इस अड़ंगे का नाम है तजाकिस्तान और ओआईसी का चक्रव्यूह। तजाकिस्तान ने भी इसी सीट के लिए दावा ठोक दिया है। लेकिन चौंकाने वाली बात यह नहीं है। चौंकाने वाली बात यह है कि इस्लामिक सहयोग संगठन यानी कि ओआईसी ने खुलेआम तजाकिस्तान को अपना समर्थन दे दिया। इसका सीधा मतलब 57 वोट एक मुस्त तजाकिस्तान की झोली में यहां एक कूटनीतिक पेच समझिए। भारत और तजाकिस्तान दोनों ही एसइओ यानी शंघाई सहयोग संगठन के सदस्य हैं।